मूल्य 1 रु.

वर्षः 10 - अंक : 163, मुंबई, शनिवार, 5 सितंबर, 2020 ■ RNI.NO. MAHHIN/2010/34146 ■ संपादकः दिलशाद एस. खान

दैनिक

मुंबई हलचल

भारत सरकार द्वारा विज्ञापन हेतु मान्यता प्राप्त R

अब हर सच होगा उजागर

सुशांत केस में बड़ी कार्रवाई

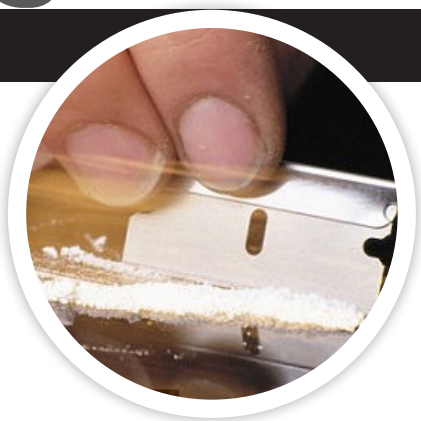

नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो सुशांत सिंह की मौत के मामले में ड्रग्स कनेक्शन के एंगल से जांच कर रहा है

DRUG CONNECTION

...में रिया का भाई शोविक और मिरांडा

गिरफ्तार

शोविक

मिरांडा

मुंबई। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में ड्रग्स कनेक्शन को लेकर एनसीबी ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए रिया के भाई शोविक को गिरफ्तार कर लिया है। सैमुअल मिरांडा को भी अरेस्ट किया गया है। हालांकि इससे पहले एनसीबी ने कहा था कि आज कोई गिरफ्तारी नहीं होगी। लेकिन देर शाम एनसीबी ने लंबी पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया। बता दें कि शुक्रवार की सुबह पहले उसके घर पर एनसीबी ने रेड की थी और वो पूछताछ के लिए शोविक को साथ ले गए थे। रिया चक्रवर्ती के भाई शोविक चक्रवर्ती और सैमुअल मिरांडा को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8सी, 28 और 29 के तहत गिरफ्तार किया गया है। (शेष पृष्ठ 3 पर)

अब तक 7 लोग हुए है गिरफ्तार

मामले में अब तक कुल सात लोग गिरफ्तार हुए हैं। इनमें अब्बास रमजान अली लखानी, कर्ण अरोरा, जैद वीलांत्रा, अब्दुल बासित परिहार, कैजान इब्राहिम, सैमुअल मिरांडा और शौविक चक्रवर्ती को एनसीबी ने गिरफ्तार किया है। कैजन, सैमुअल और शौविक कि कोर्ट पेशी शनिवार को होगी।

॥शुभ लाभ॥
MIX MITHAI

• मोतीचूर लड्डू • काजू कतरी • काजू रोल
• बदाम बर्फी • मलाई पेड़े • रसगुल्ले
MM MITHAIWALA
Malad (W) Tel. : 288 99 501

महाराष्ट्र में मॉब-लिंचिंग

जालना में भीड़ ने पीट-पीटकर दो भाइयों की हत्या की, तीसरे भाई और मां की हालत गंभीर, पुलिस ने 40 लोगों पर केस दर्ज किया

जालना। महाराष्ट्र के जालना में शुक्रवार को भीड़ ने पीट-पीटकर तीन भाइयों को अधमरा कर दिया। इसमें से अब तक दो की इलाज के दौरान मौत हो चुकी है, जबकि तीसरे की हालत गंभीर बनी हुई है। हमले में इनकी मां भी गंभीर रूप से घायल हुई है। पुलिस ने इस मामले में 40 लोगों पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भीड़ ने 18 अगस्त को हुए एक विवाद के मामले में इन पर हमला किया था। (शेष पृष्ठ 3 पर)

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

हमारी बात

संसदीय सतर्कता

संसद में प्रश्नकाल को लेकर राजनीति न केवल दुखद, बल्कि चिंताजनक भी है। 14 सितंबर से शुरू हो रहे 18 दिवसीय मानसून सत्र के बारे में अभी तक जो फैसले हुए हैं, उनके अनुसार, संसद में प्रश्नों के लिखित जवाब ही पेश किए जाएंगे और अलग से सीधे प्रश्न पूछने की सुविधा नहीं रहेगी। इसके पीछे दो प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। पहला कारण, सत्र का फैसला जल्दी में किया गया है, अतः प्रश्न लेने और जवाब जुटाने के लिए पर्याप्त समय नहीं है। दूसरा कारण, जब प्रश्नकाल होता है, तब संबंधित मंत्रालयों के अधिकारियों को बड़ी संख्या में उपस्थित रहना पड़ता है। ऐसी उपस्थिति से संसद में भीड़ की स्थिति बन जाती है और कोरोना के समय शायद ही कोई सांसद होगा, जो भीड़ के बीच जोखिम लेना चाहेगा। पहली नजर में संसद में किसी भीड़ को रोकने की कोशिश जायज ही कही जाएगी। यह सही है कि पहले प्रश्नकाल सहित शून्यकाल को लेकर भी संशय था, लेकिन विपक्ष का दबाव बढ़ने पर लिखित प्रश्नों व आधे घंटे के शून्यकाल की स्थिति आगामी दिनों में और साफ हो जाएगी। विपक्ष का दबाव बना हुआ है और संभव है, लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति कुछ अन्य मांगों को भी मंजूर कर लें। किसी भी लोकतंत्र में पक्ष और विपक्ष के बीच सकारात्मक खींचतान होनी ही चाहिए। सरकार अगर किसी सुविधा या परंपरा से हटना चाहती है, तो यह विपक्ष की जिम्मेदारी है कि सजग होकर अपनी मांग रखे। इस बारे में सत्ता पक्ष का रवैया भी लचीला ही कहा जाएगा। अब प्रत्यक्ष या जुबानी प्रश्नकाल न होने पर शायद सिर्फ तृणमूल कांग्रेस की आपत्ति ही शेष बताई जा रही है। कोरोना के समय में पूरी भीड़ जुटाकर संसद चलाना देश के सामने कोई अच्छा उदाहरण नहीं होगा। लोग भूले नहीं हैं, मार्च में जब संक्रमण बढ़ा था, लॉकडाउन की जरूरत पैदा होने लगी थी, तब भी संसद काम करने का जोखिम उठा रही थी। इसका कोई अच्छा संदेश नहीं गया था। अब जब संसद पहली बार चरम कोरोना काल में बैठेगी, तब उसे अपनी अनेक परंपराओं से समझौता करना पड़े, तो कोई आश्चर्य नहीं। सांसदों और संसद से जुडे. तमाम जनसेवकों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है। कोरोना से बचाव के उपायों को हर हाल में प्राथमिकता मिलनी चाहिए। ऐसे समय में, संसद का सत्र बुलाना ही अपने आप में साहस का काम है और उसमें सांसदों की सतर्क उपस्थिति किसी चुनौती से कम नहीं है। इस दिशा में पक्ष-विपक्ष को मिलकर नई परंपरा का आगाज करना होगा, ताकि देश के सामने फिजिकल डिस्टेंसिंग का आदर्श पेश हो सके। यह कम उपस्थिति, कम समय, कम संसाधन में अधिकतम परिणाम सुनिश्चित करने का दौर है, जिसमें सांसदों को खरा उतरना है। गौर करने की बात है, पिछले पांच साल में राज्यसभा में प्रश्नकाल का 60 प्रतिशत समय हंगामे में बर्बाद हुआ है। जो सांसद प्रश्नकाल के न होने को लेकर ज्यादा चिंतित हैं, उन्हें इस पर खुद विचार करना चाहिए। संसद की अच्छी परंपराओं को चालू रखना हर सांसद की जिम्मेदारी है। जब यह बात भी सबके संज्ञान में है कि संसद के इतिहास में प्रश्नकाल एकाधिक बार रद्द हो चुका है, तब तो अपनी मांग तार्किक ढंग से रखने की जरूरत और बढ़ जाती है। प्रश्नों के प्रति सबकी संवेदना जरूरी है और प्रश्न देश के किसी भी कोने से पूछे जा सकते हैं।

श्वेत और अश्वेत में विभाजित दुनिया

हाल ही में अमेरिकी शहर पोर्टलैंड में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों और विरोधी प्रदर्शनकारियों के बीच हुई झड़प में अश्वेत आंदोलन समर्थक एक व्यक्ति की मौत के बाद एक बार फिर दुनिया में ब्लैक लाइव्स मैटर विषय पर बहस तेज हो गई है। इससे पहले मिनिपोलिस में जार्ज फ्लायड की हत्या ने रंगभेद और नस्लभेद के मसले को एक संवेदनशील मुद्दे के रूप में उभारा। विकसित देशों में इसके चलते यह दबाव पड़ने लगा है कि वो अपने राष्ट्रीय कानूनों में रंगभेद और नस्लभेद विरोधी कठोर प्रावधानों का निर्माण करें और साथ ही उसका कठोर अनुपालन भी करें। ब्रियोना टेलर, एलिजा मैक्लेन, डियोन जानसन जैसी अश्वेत जिंदगियों को अमेरिकी पुलिस की बर्बरता के चलते जान से हाथ धोना पड़ा। अमेरिका ब्रिटेन सहित दुनिया के तमाम विकसित देशों में नस्लीय भेदभाव की घटनाएं देखी जा रही हैं और अश्वेत समुदाय का मानना है कि शासन तंत्र सुनियोजित तरीके से नस्लीय भेदभाव को अंजाम दे रहा है। 19वीं और 20वीं सदी का इतिहास साफ साफ बताता है कि नस्लभेद हो या रंगभेद, कैसे इन्हें एक सुनियोजित ढंग

से मजबूती दी गई जिससे एक खास नस्ल और रंग के प्रति घृणा और अति पूर्वाग्रह को एक विशिष्ट जनमानस के मनोविज्ञान का हिस्सा बनाया जा सके। कैसे शासन प्रशासन, कला, संस्कृति और साहित्य पर एक नस्ल विशेष के वर्चस्व की गाथा लिखी जा सके। तमाम मानवाधिकार आंदोलनों, सिविल सोसायटी आंदोलनों, वैश्विक संधियों और अभिसमयों के अस्तित्व में होने के बावजूद दुनिया के कई देशों में अभी भी यह शिष्टाचार, संस्कृति विकसित नहीं हो पाई है जो नस्लीय भेदभावों का समूल उन्मूलन कर दे। वहीं सबसे बड़े विरोधाभास तब नजर आते हैं, जब यही देश लोकतांत्रिक मूल्यों, मानवाधिकारों और समतामूलक दुनिया के पक्ष में दलीलें और गवाहियां देते नहीं थकते। कुछ देशों ने नस्लभेद और रंगभेद को अपनी आंतरिक और वैदेशिक नीतियों का अंग इस रूप में बनाया है, ताकि अन्य नस्ल या रंग के इंसानों को उनके विकास की मुख्य धारा में प्रवेश न मिल सके। व्यापक अर्थों में कहें तो यह समावेशन की संस्कृति को विकसित नहीं होने देता। साथ ही यह भी सच है कि नस्लीय और रंगभेद के समर्थन में चलने वाले तमाम मानवाधिकार और सिविल सोसायटी आंदोलनों के दबाव के चलते और अपनी विशिष्ट प्रतिभा व नवाचार के चलते अश्वेतों ने श्वेत व्यवस्था में अपनी जगह बनाई। श्वेत नेतृत्व वाली व्यवस्था ऐसी अनुमति देने के लिए विवश भी हुई। यहां विवशता शब्द का इस्तेमाल इसलिए किया जा रहा है, क्योंकि यदि आप नस्लभेद, रंगभेद, सांप्रदायिकता, भाषावाद और क्षेत्रवाद जैसी विसंगतियों को देखें, तो आप पाएंगे कि इन मानसिक विकारों को पूर्ण और खुले मन से समाप्त करने की भावना देशों और उनकी आंतरिक संरचनाओं में प्रभावी ढंग से विकसित नहीं हो पाई है। वर्तमान विश्व कहीं न कहीं आज विवशता की संस्कृति में जी रहा है। सहज और न्यायपूर्ण प्रवृत्ति के साथ दुनिया की बेहतरी के लिए कई प्रभावी राष्ट्रों द्वारा कार्य नहीं हो पा रहा है। अमेरिका और ब्रिटेन में रहने वाले अश्वेत समुदाय के लोगों की मांग है कि अश्वेत लोगों को मनमाने तरीके से निशाना बनाने वाले धारा 60 के स्टॉप एंड सर्च रेगुलेशन का उन्मूलन किया जाए और अश्वेत समूहों के खिलाफ नस्लीय मेट्रोपॉलिटन पुलिस गैंग के हिंसा के ताने-बाने (वॉयलेंस मैटिक्स) को खत्म किया जाए। ऐसी सिफारिश एमनेस्टी इंटरनेशनल वर्ष 2018 में कर चुका है। इस तरह विकसित देशों के आपराधिक न्याय प्रणाली में नस्लीय भेदभाव को खत्म करने वाले प्रावधानों का रखा जाना और उसका कठोरता से अनुपालन आवश्यक है।

रोजगार सृजन की चुनौती

कोरोना काल में भारतीय अर्थव्यवस्था चार दशक की सबसे बड़ी गिरावट डोलते हुए अप्रैल-जून तिमाही में 23.9 फीसद नीचे चली गई। यह गिरावट दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक है। नोमुरा होल्डिंग्स इंक जैसे बैंक ने पूरे साल के लिए जीडीपी अनुमान को बदलकर ऋणात्मक 10.8 प्रतिशत कर दिया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की रिसर्च रिपोर्ट इकोरैप ने भी पूरे वर्ष के लिए जीडीपी अनुमान ऋणात्मक 6.8 प्रतिशत से बदलकर ऋणात्मक 10.9 प्रतिशत कर दिया है। कुछ वर्ष पहले भारत आठ फीसद विकास दर हासिल करने में कामयाब रहा था। वर्ष 2016-17 के प्रथम तिमाही में तो विकास दर नौ प्रतिशत तक पहुंच गया था। लेकिन इसके बाद एनबीएफसी संकट और उपभोग की कमी से विकास दर में गिरावट दर्ज की गई। रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार भी आर्थिक गतिविधियों में अभूतपूर्व कमी आई है। रिजर्व बैंक के अनुसार मई-जून में अर्थव्यवस्था में सुधार के जो लक्षण दिखाई दिए थे, वे जुलाई में गायब होते नजर आ रहे हैं। आरबीआइ ने भी हालात को अप्रत्याशित करार देते हुए केंद्र सरकार एवं राज्यों के समक्ष उपायों की एक लंबी सूची प्रस्तुत की है। इससे लगता है कि दूसरी तिमाही में भी आर्थिक गतिविधियों में कमी जारी रहेगी। रिजर्व बैंक के अनुसार भी मांग में भारी कमी की स्थिति अभी बनी हुई है। वहीं अर्थव्यवस्था का प्रभाव रोजगार पर भी दिख रहा है। पांच प्रतिशत विकास दर के साथ भी भारतीय अर्थव्यवस्था में हर साल कार्यबल में जुड़ने वाले एक करोड़ से अधिक

युवाओं के लिए पर्याप्त नौकरियां नहीं पैदा हो रही थीं। ऐसे में विकास दर में अप्रत्याशित कमी से रोजगार सृजन पर प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। जिस तरह आम आदमी कमाई कम होने की खबर सुनकर खर्च कम और बचत ज्यादा करने लगता है, बिल्कुल ऐसा ही व्यवहार कई कंपनियां करने लगती हैं। नई नौकरियां भी कम हो जाती हैं और पुरानी नौकरियों की भी समीक्षा होने लगती है। इससे एक दुष्चक्र शुरू होता है। घबरा कर लोग कम खर्च करते हैं, जिससे उद्योगों में मांग कम होने लगती है और लोग बचत बढ़ाते हैं, तो बैंकों में ब्याज भी कम मिलता है। दूसरी तरफ बैकों से कर्ज की मांग गिरती है। सीएमआइई यानी सेंटर फॉर मॉनीटरिंग इंडियन इकोनॉमी के अनुसार लॉकडाउन के बाद असंगठित क्षेत्र में रोजगार दोबारा पैदा होने लगे हैं। वहीं संगठित क्षेत्र के रोजगार पर यह बात लागू नहीं होती है। बिना वेतन वाले रोजगार की बात करें, तो उनकी तादाद 2019-20 में 31.76 करोड़ से बढ़कर जुलाई 2020 में 32.56 करोड़ हो चुकी है। यानी असंगठित क्षेत्र के रोजगार में करीब 80 लाख यानी ढाई फीसद का इजाफा हुआ है। दूसरी ओर वेतन वाले रोजगार में लॉकडाउन की अवधि में 1.89 करोड़ यानी 22 फीसद की कमी आई है। देश के शहरी इलाकों में वेतन वाले रोजगार की तादाद ग्रामीण भारत से अधिक है। वर्ष 2019-20 में देश में 8.6 करोड़ वेतनभोगी रोजगार में 58 फीसद शहरी और 42 फीसद ग्रामीण इलाकों में थे। रोजगार की हानि भी इसी अनुपात में हुई है। सीएमआइई के आकड़ों का विश्लेषण करने पर इस क्षेत्र में नौकरियों की कटौती को समझा जा सकता है। लॉकडाउन से पूर्व देश में वेतन वाली नौकरियों में 8.61 करोड़ लोग कार्यरत थे, परंतु लॉकडाउन में यह संख्या केवल 6.82 करोड़ रह गई। हालांकि जून में लगभग 40 लाख नौकरियों में वृद्धि हुई तथा कुल वेतनभोगी नौकरियों की संख्या सात करोड़ 22 लाख पहुंच गई। परंतु जुलाई में पुनः 50 लाख नौकरियों में कमी हो गई तथा वेतन वाली नौकरियों की संख्या केवल 6.72 करोड़ रह गई। इस तरह अभी वेतन वाली नौकरियों की संख्या अप्रैल के 6.82 करोड़ से भी 10 लाख कम है। जुलाई में नौकरियों के इस भारी गिरावट को आरबीआइ की वार्षिक रिपोर्ट से समझा जा सकता है, जिसमें जून में तो रिकवरी देखी जा सकती है, परंतु जुलाई में अर्थव्यवस्था की स्थिति पुनः बिगड़ गई। वहीं असंगठित क्षेत्र में नौकरियों में तो वृद्धि हुई है, परंतु पहले की तुलना में आय में कमी आई है।

दैनिक
मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

कंगना ने मुंबई पुलिस को बदनाम करने के लिये भाजपा से साठगांठ कर रखी है: कांग्रेस

संवाददाता

मुंबई। महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता सचिन सावंत ने कंगना पर राज्य सरकार और मुंबई पुलिस को बदनाम करने के लिये भाजपा के साथ साठगांठ करने का शुक्रवार को आरोप लगाया। भाजपा विधायक राम कदम ने कहा है कि उनकी पार्टी कंगना की आपत्तिजनक टिप्पणियों का समर्थन नहीं करती। भाजपा के ही एक और नेता आशीष शेलार ने कहा कि पार्टी को कंगना की टिप्पणियों से नहीं जोड़ा जाना चाहिये। सावंत कंगना की उन टिप्पणियों का जिक्र कर रहे थे, जिनमें उन्होंने मुंबई को पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से जोड़ा था और कहा था कि उन्हें मुंबई पुलिस से डर लगता है। सावंत में ट्वीट कर आरोप लगाया, मुंबई की तुलना पीओके से करके अभिनेत्री ने 13 करोड़ महाराष्ट्र वासियों, मुंबई को महाराष्ट्र में बनाए रखने के लिये शहादत देने वाले हुतात्माओं, रानी लक्ष्मीबाई और मुंबई से प्रेम करने वाले तमाम लोगों का अपमान किया है। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र शिवाजी महाराज की धरती है। महाराष्ट्र को अपमानित करना भाजपा की सोची-समझी साजिश है। भाजपा के किसी भी नेता ने अभी तक कंगना की निंदा नहीं की है। हम देवेन्द्र फड़णवीस और भाजपा की राज्य इकाई से कंगना और पार्टी विधायक राम कदम का

समर्थन करने के लिये माफी की मांग करते हैं। वहीं कदम ने कहा, भाजपा कंगना की आपत्तिजनक टिप्पणियों का समर्थन नहीं करती। वह मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल राजनीतिक और फिल्म जगत के बड़े नामों का खुलासा करने को तैयार हैं। क्या राज्य सरकार इससे डरी हुई है? कुछ बड़े लोगों को बचाने के लिये मुंबई पुलिस बदनामी झेल रही है। इससे पहले, कदम ने महाराष्ट्र सरकार से कंगना को सुरक्षा मुहैया कराने का आग्रह करते हुए कहा था कि वह बॉलीवुड के ड्रग माफियाओं की साठगांठ का भंडाफोड़ करने के लिये तैयार हैं, लेकिन उनका कहना है कि वह मुंबई पुलिस से बहुत डरती हैं। वहीं भाजपा नेता शेलार ने कहा, कंगना को मुंबई, मुंबईवासियों और महाराष्ट्र को कुछ सिखाने की जरूरत नहीं है...भाजपा का कंगना से कोई लेना-देना नहीं है। उनके बयानों में हमें न जोड़ें। दरअसल कंगना ने मुंबई शहर और पुलिस को लेकर हाल ही में टिप्पणियां की थीं, जिनको लेकर विवाद खड़ा हो गया है। कंगना ने कहा था कि उन्हें उन लोगों से अधिक, मुंबई पुलिस से डर लगता है। इस पर शिवसेना नेता संजय राउत ने कथित तौर पर कंगना को कहा था कि अगर उन्हें मुंबई पुलिस से डर लगता है तो उन्हें यहां नहीं आना चाहिये। कंगना ने राउत के इस बयान से जुड़ी एक खबर को टैग करते हुए ट्वीट किया था, मुंबई पाकिस्तान के कब्जे वाला कश्मीर क्यों लगने लगी है?

मालेगांव विस्फोट: पुरोहित ने मामला निरस्त करने के लिए उच्च न्यायालय में दायर की याचिका

मुंबई। मालेगांव में 2008 में हुए विस्फोट के मामले के आरोपी लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित ने बंबई उच्च न्यायालय में ताजा याचिका दायर कर अपने खिलाफ लगे आरोपों को निरस्त करने का आग्रह किया है। उनके वकील एवं पूर्व अटॉर्नी जनरल मुकुल रोहतगी ने शुक्रवार को अदालत से कहा कि पुरोहित सेना के खुफिया अधिकारी के रूप में काम कर रहे थे और उन्हें 'फंसा' दिया गया। याचिका में यह भी कहा गया कि पुरोहित सेवारत सैन्य अधिकारी थे, लेकिन राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने उन पर मुकदमा चलाने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) के तहत पूर्व अनुमति नहीं ली। न्यायमूर्ति एस एस शिन्दे और न्यायमूर्ति एम एस कार्णिक की खंडपीठ के समक्ष रोहतगी ने कहा कि पुरोहित सेना की खुफिया इकाई में काम कर रहे थे। वह 2008 के मालेगांव विस्फोट से पहले खुफिया अधिकारी के रूप

में 'अपना दायित्व निभाते हुए' साजिश रचने संबंधी बैठकों में शामिल हुए। उन्होंने दलील दी कि इसलिए एनआईए को पुरोहित पर मुकदमा चलाने के लिए सीआरपीसी की धारा 197 के तहत पूर्व अनुमति लेनी चाहिए थी। लोकसेवक पर मुकदमा चलाने के लिए धारा 197 के तहत सरकार से अनुमति लेने की आवश्यकता होती है। रोहतगी ने दलील दी कि सेना ने उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने के बाद 2017 में पुरोहित को नौकरी पर बहाल कर दिया था। शीर्ष अदालत ने अपने जमानत आदेश में रेखांकित किया था कि पुरोहित ने अपना दायित्व निभाने के रूप में साजिश संबंधी बैठकों में हिस्सा लिया। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा, उनका (पुरोहित) काम धार्मिक चरमपंथियों की बैठकों में घुसने और फिर उसकी खबर सेना को देने का था। उन्हें मामले में फंसा दिया गया और उन्होंने उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने तक आठ साल जेल में गुजारे। एनआई ने अपने हलफनामे में पुरोहित की याचिका का विरोध करते हुए कहा कि साजिश संबंधी बैठकों में शामिल होते समय पुरोहित सेना के लिए काम नहीं कर रहे थे, इसलिए मुकदमे के लिए किसी अनुमति की आवश्यकता नहीं थी। एनआईए ने कहा कि निचली अदालत और उच्च न्यायालय ने पूर्व में आरोपमुक्त करने का आग्रह करने वाली पुरोहित की याचिका को खारिज कर दिया था। इसी तरह की राहत मांगने वाली एक और अपील उच्च न्यायालय के समक्ष लंबित है, इसलिए वह ताजा याचिका दायर नहीं कर सकते।

महाराष्ट्र सरकार ने बाढ़ प्रभावित विदर्भ में राहत कार्य के लिए 16 करोड़ की राशि मंजूर की

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने हाल में विदर्भ क्षेत्र के कुछ जिलों में बाढ़ से प्रभावित रहे लोगों से संबंधित राहत कार्यों के लिए 16.48 करोड़ रुपये की धनराशि आवंटित की। अधिकारियों ने बताया था कि लगातार जारी बारिश और बांध से पानी छोड़े जाने के कारण बाढ़ की चपेट में आए नागपुर, भंडारा, चंद्रपुर और गढ़चिरोली जिलों के 175 गांव से 30 अगस्त से एक सितंबर के बीच 53,000 से अधिक लोगों को निकाला गया था। शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने प्रभावित लोगों को तत्काल राहत पहुंचाने के लिए 16,48,25,000 रुपये की राशि को मंजूरी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर जारी से बयान के मुताबिक, इस राशि का वितरण मुआवजा, भोजन उपलब्ध कराने, क्षतिग्रस्त मकानों की मरम्मत, राहत शिविरों में दवाइयां उपलब्ध कराने समेत अन्य राहत कार्यों में किया जाएगा।

(पृष्ठ 1 का शेष)

सुशांत केस में बड़ी कार्रवाई

एनसीबी के अनुसार शोविक सूत्रधार था जिसने न केवल सुशांत के लिए बल्कि कुछ अन्य बॉलीवुड सितारों के लिए भी ड्रग्स की व्यवस्था की। इससे पहले एनसीबी के उपनिदेशक केपीएस मल्होत्रा ने कहा था कि शोविक को जल्द गिरफ्तार किया जा सकता है। सुबह से ही रिया चक्रवर्ती के भाई शोविक पर अब गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। रिया के घर पर छापेमारी के बाद नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम शोविक चक्रवर्ती को अपने साथ ले गई थी। शोविक से ड्रग्स पेडलर के साथ बिठाकर पूछताछ की गई। सुशांत केस में आज एनसीबी सुबह से ही एक्शन में नजर आ रही थी। पहली बार कोई जांच टीम रिया के घर छापेमारी के लिए पहुंची। पहली बार रिया का पूरा घर खंगाला गया। पहली बार घर में पूछताछ की गई। पहली बार जांच एजेंसी रिया के परिवार के किसी सदस्य को घर से उठा कर ले गई। वो सदस्य रिया का भाई शोविक था। तभी से उसके सिर पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी। सुशांत केस के ड्रग्स कनेक्शन को लेकर नोरकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो की टीम ने शोविक के साथ-साथ गिरफ्त में आए ड्रग्स पेडलर बासित और जैद से भी पूछताछ की। सबको साथ बिठाकर सवाल-जवाब किए गए। सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा पर भी सवालों की बौछार की गई। दरअसल, शुक्रवार की सुबह-सुबह मुंबई जागी ही थी कि नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो एक्शन में आया। अचानक एनसीबी टीम की गाड़ियां रिया के अपार्टमेंट में दाखिल हुईं और दनदनाते हुए रिया के फ्लैट में जा पहुंची। एनसीबी की 3 टीमें थीं। दो टीम रिया के घर पर पहुंचीं तो तीसरी टीम ने सुशांत के हाउस मैनेजर सैमुअल मिरांडा के फ्लैट का रूख किया। तीन घंटे से ज्यादा की छापेमारी के बाद शोविक और मिरांडा को एनसीबी की टीम अपने साथ ले गई। रिया के घर से एनसीबी की टीम शोविक के लैपटॉप के साथ-साथ रिया का पुराना मोबाइल भी साथ ले गई। इससे पहले एनसीबी ने 3 घंटे तक रिया को पूरा घर खंगाला। वहां मौजूद हर एक शख्स से पूछताछ की। हर इलेक्ट्रोनिक्स डिवाइस की पड़ताल की। साथ ही वहां खड़ी उस जीप कंपास कार की भी जांच की, जिसे शोविक चलाता था। ड्रग्स कनेक्शन में एनसीबी ठोस सबूत की तलाश में थी। शोविक का नाम ना सिर्फ रिया की चैट में आया बल्कि जैद और बासित ने भी उसके साथ लिंक की बात की। ये गवाही ही शोविक की गिरफ्तारी के लिए काफी थी। एनडीपीएस कानून का सेक्शन 67 नारकोटिक्स ब्यूरो के तहत शोविक की गिरफ्तारी की गई। अब रिया पर शिकंजा कसता जा रहा है।

महाराष्ट्र में मॉब-लिंचिंग

जालना पुलिस के मुताबिक, वारदात जिले के पानशेंद्र गांव में शुक्रवार दोपहर हुई। उप मंडल पुलिस अधिकारी सुधीर खिरादकर ने बताया कि 18 अगस्त को पोला उत्सव का जश्न मनाते समय, भीड़ और पीड़ित परिवार के बीच विवाद हुआ था। दोनों पक्षों ने उस समय पुलिस से संपर्क किया था। शुक्रवार को मामला मारपीट तक पहुंच गया और भीड़ ने तीनों भाइयों और उनकी मां पर हमला कर दिया। इसमें राहुल (22) और प्रदीप बोर्डे (25) की मौत हो गई। एक और भाई रामेश्वर (30) और उनकी मां घायल हैं।

महाराष्ट्र में नहीं थम रही कोरोना की रफ्तार

लगातार तीसरे दिन रिकॉर्ड नए मामले सामने आए

संवाददाता

मुंबई। देश में कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित महाराष्ट्र में लगातार तीसरे दिन रिकॉर्ड मामले सामने आए हैं। पिछले 24 घंटे में राज्य में 19 हजार 218 नए केस आए हैं। ये एक दिन में अब तक का सबसे ज्यादा आंकड़ा है। वहीं राज्य में 378 और लोगों की मौत हुई है। राज्य के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के मुताबिक, महाराष्ट्र में कोरोना के संक्रमित मामलों की संख्या बढ़कर 8 लाख 63 हजार 62 और मरने वालों का आंकड़ा 25 हजार 964 तक पहुंच गया है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को 13 हजार 289 मरीजों को इलाज के बाद ठीक हो जाने के बाद अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया। अब तक इलाज के बाद कुल 6 लाख 25 हजार 773 लोग ठीक हो चुके हैं। राज्य में रिकवरी रेट 72.51 फीसदी है। वहीं कोरोना से मौत के मामलों की दर 3.01 फीसदी है।

लगातार तीसरे दिन रिकॉर्ड केस: महाराष्ट्र में पिछले तीन दिनों में कोरोना के मामलों में रिकॉर्ड इजाफा दर्ज किया गया है। आज 19 हजार 218 नए केस आए हैं तो गुरुवार को रिकॉर्ड 18 हजार 105 नए मामले आए थे। वहीं बुधवार को राज्य में 17 हजार 433 नए केस मिले। राज्य के स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जारी बुलेटिन में मौजूदा समय में 14 लाख 51 हजार 343 लोग होम आइसोलेशन में हैं, वहीं 36 हजार 873 लोग इंस्टीट्यूशनल क्वॉरन्टीन में हैं।

महाराष्ट्र के विधानसभा अध्यक्ष कोरोना पॉजिटिव: उधर महाराष्ट्र में विधानसभा का सत्र शुरू होने के दो दिन पहले विधानसभा अध्यक्ष नाना पटोले ने शुक्रवार को कहा कि वह कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं। पटोले ने बताया कि वह बाढ़ राहत कार्यों का जायजा लेने के लिए विदर्भ में अपने निर्वाचन क्षेत्र गए थे। इसी दौरान उनमें संक्रमण के लक्षण सामने आए। नाना पटोले ने ट्वीट किया किया, मैंने जांच करायी और रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि हुई। उन्होंने हाल में संपर्क में आए लोगों से भी जांच कराने को कहा।

भारत-चीन के रक्षा मंत्री रूस में मिले

राजनाथ और जनरल फेंग्हे के बीच 2 घंटे 20 मिनट बैठक चली, सीमा पर तनाव खत्म करने पर बात हुई

4 महीने में रक्षा मंत्रियों की यह पहली मुलाकात

संवाददाता

मॉस्को। एससीओ समिट में शामिल होने रूस दौरे पर गए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुक्रवार को चीन के रक्षा मंत्री वेई फेंग्हे से मुलाकात की। चीन की ओर से रक्षा मंत्रियों की मुलाकात की पहल की गई थी। लद्दाख में भारत-चीन के बीच करीब चार महीने से जारी तनाव के बीच दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की यह पहली मुलाकात है।

दोनों देश के बीच सीमा पर तनाव खत्म करने को लेकर 2 घंटे 20 मिनट तक बैठक चली। सिंह और वेई दोनों शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में हिस्सा लेने के लिए मॉस्को में हैं। हालांकि मई की शुरूआत में भी विदेश मंत्री एस

जयशंकर और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल ने तनाव खत्म करने के लिए चीनी विदेश मंत्री वांग यी के साथ अलग-अलग टेलीफोन पर बातचीत की थी। इससे पहले राजनाथ ने मॉस्को एससीओ-सीएसटीओ-सीआईएस मेंबर्स की ज्वाइंट मीटिंग को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गेनाइजेशन (एससीओ) रीजन में सुरक्षा और स्थिरता के लिए भरोसे का माहौल, गैर-आक्रामकता, इंटरनेशनल नियमों का सम्मान और मतभेदों का शांतिपूर्ण समाधान बेहद जरूरी है। राजनाथ सिंह ने जोर देकर कहा कि आज मैं फिर से दोहराता हूं कि भारत ग्लोबल सिक्योरिटी आर्किटेक्चर के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। हमें आतंकवाद, ड्रग ट्रैफिकिंग जैसे खतरों से निपटने के लिए संस्थागत क्षमता की जरूरत है। उन्होंने कहा कि मैं हमारे प्रधानमंत्री के विचारों को दूसरी तरह से कहूं, तो हमारा मकसद सुरक्षा और सभी का विकास है। राजनाथ सिंह ने एससीओ की रीजनल एंटी-टेररिज्म स्ट्रक्चर (आरएटीएस) के काम को सराहा। रक्षा मंत्री ने कहा कि हम साइबर डोमेन में कट्टरपंथ और उग्रवाद के प्रसार को रोकने के लिए आरएटीएस के हाल के कामों की प्रशंसा करते हैं। चरमपंथी प्रचार और डी-रैडिकलाइजेशन का मुकाबला करने के लिए एससीओ परिषद द्वारा आतंकवाद विरोधी उपायों को अपनाना बेहद अहम फैसला है।

अफगानिस्तान के सुरक्षा हालातों पर चिंता जाहिर की: रक्षा मंत्री ने पर्शियन गल्फ रीजन के हालातों पर चिंता जाहिर की। अफगानिस्तान के हालात पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि अफगानिस्तान में सुरक्षा की स्थिति अब भी चिंता का सबब बनी हुई है। उन्होंने कहा कि शांति प्रक्रिया में भारत अफगानिस्तान के लोग और उनकी सरकार का समर्थन करता रहेगा।

पाकिस्तान को हथियार सप्लाई नहीं करने की पॉलिसी दोहराई: इससे पहले राजनाथ सिंह ने रूस के रक्षा मंत्री जनरल सरगे शोइगू से मुलाकात की। सूत्रों के मुताबिक, इस दौरान रूस ने पाकिस्तान को किसी भी तरह के हथियार की सप्लाई नहीं करने की अपनी पॉलिसी दोहराई। मीटिंग में भारत के अनुरोध पर रूस ने इस बारे में अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की।

पबजी की जगह अक्षय का FAU-G

पबजी पर बैन के दो दिन बाद अक्षय कुमार ने फौजी गेम लाने का ऐलान किया, रेवेन्यू का 20% फौजियों के ट्रस्ट को जाएगा

संवाददाता

मुंबई। चीन में बने पॉपुलर मोबाइल गेमिंग ऐप पबजी पर बैन के दो दिन बाद ही अक्षय कुमार ने FYAU-GY यानी फौजी गेम लॉन्च करने का ऐलान किया है। यह गेम खेलने वालों को देश के जवानों के बलिदान के बारे में भी जानकारी देगा। यह अक्षय कुमार का पहला गेमिंग वेंचर है। केंद्र ने 2 सिंतबर को पबजी समेत 118 चाइनीज ऐप्स को बैन कर दिया था। सरकार ने कहा था कि इनसे भारत की सुरक्षा को खतरा है। अक्षय ने इंस्टाग्राम पर लिखा है- पीएम मोदी के आत्मनिर्भर मूवमेंट को सपोर्ट करते हुए इस एक्शन गेम का प्रेजेंट करते हुए गर्व हो रहा है। निडर और एकता की मिसाल गार्ड्स - फौजी। एंटरटेनमेंट से इतर इस खेल में प्लेयर्स हमारे सैनिकों के सैक्रिफाइज को जान सकेंगे। इस मोबाइल गेम से मिलने वाले रेवेन्यू का 20 फीसदी हिस्सा भारत के वीर ट्रस्ट को डोनेट किया जाएगा।

पबजी भारत में 17.5 करोड़ लोगों ने डाउनलोड किया था

फौजी गेम के बारे में फिलहाल इतनी ही इन्फॉर्मेशन सामने आई है। यह गेम तब लॉन्च किया जा रहा है, जब पबजी पर बैन लगा दिया है। पबजी भारत में बेहद पॉपुलर था। इसे देश में करीब 17.5 करोड़ लोगों ने डाउनलोड किया था। गलवान में भारत-चीन के सैनिकों की झड़प के बाद केंद्र ने 29 जून को 59 चीनी ऐप्स, 27 जुलाई को 47 ऐप और 2 सितंबर को 118 ऐप्स बैन किए हैं। हालांकि, पबजी का मोबाइल और डेस्कटॉप वर्जन अभी भी मौजूद है। लेकिन, अक्षय कुमार के अनाउंसमेंट के बाद सोशल मीडिया पर लोगों ने फौजी को लेकर पॉजिटिव कमेंट्स दिए हैं।

कार, बाइक समेत सभी कैटेगरी के व्हीकल्स होंगे सस्ते, सरकार ने कहा- जल्दी होगी घोषणा

संवाददाता

नई दिल्ली। अगर आप कार, मोटरसाइकिल और स्कूटी समेत टू व्हीलर और फोर व्हीलर गाड़ी खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो आपके लिए राहत भरी खबर है। कोरोना महामारी के चलते लागू लॉकडाउन से भारी दबाव और सुस्ती झेल रही भारतीय ऑटो इंडस्ट्री को केंद्र सरकार बड़ी राहत दे सकती है। दरअसल, सरकार सभी तरह के व्हीकल्स पर जीएसटी रेट में 10 फीसदी कटौती करने पर विचार कर रही है। मिनिस्टर ऑफ हैवी इंडस्ट्रीज एंड पब्लिक एंटरप्राइजेज प्रकाश जावड़ेकर ने शुक्रवार को कहा कि सरकार सभी तरह के वाहनों पर जीएसटी रेट में 10 फीसदी कटौती करने की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री की मांग पर विचार कर रही है। सरकार इसकी घोषणा जल्द ही करने वाली है। ऑटो इंडस्ट्री के संगठन सियाम के 60वें वार्षिक सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रकाश जावड़ेकर ने आश्वासन देते हुए कहा कि जीएसटी में अस्थायी कटौती की इंडस्ट्री की मांग के बारे में प्रधानमंत्री और वित्त मंत्री से बात करेंगे। उन्होंने कहा कि वित्त मंत्रालय इस प्रस्ताव की डिटेल्स रूपरेखा तैयार कर रहा है। दुपहिया, तिपहिया, पब्लिक ट्रांसपोर्ट और

चौपहिया वाहनों पर फेज वाइज तरीके से राहत मिलनी चाहिए। उम्मीद है कि आपको जल्दी ही खुशखबरी मिलेगी। बता दें कि अभी गाड़ियों पर 28 फीसदी जीएसटी लगता है। वाहन उद्योग ने इसे घटाकर 18 फीसदी करने की मांग की थी। बता दें कि हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा था कि जीएसटी काउंसिल टू-व्हीलर वाहनों पर टैक्स की दरों पर ध्यान देगी। उन्होंने कहा कि ऑटो इंडस्ट्री की जीएसटी रेट को कम करने की मांग पर ध्यान दिया जाएगा। जीएसटी घटाने के सुझाव पर वित्त मंत्री ने कहा कि ये वास्तव में एक अच्छा सुझाव है, इसे जीएसटी काउंसिल की बैठक में उठाया जाएगा, क्योंकि टू-व्हीलर न तो लग्जरी आइटम है और न ही नुकसानदेह आइटम। बाइक, स्कूटर, स्कूटी आदि की कीमतों में 10 हजार रुपए की कटौती हो सकती है। अगर केंद्र सरकार जीएसटी की दरों को 28 प्रतिशत से घटाकर 18 प्रतिशत कर दे तो यह संभव है। बजाज ऑटो के एमडी राजीव बजाज ने यह बात कही। बजाज ने कहा कि ऑटो सेक्टर में पहले से ही काफी दिक्कतें हैं। ऐसे में जीएसटी की दरों में कटौती से सेक्टर और ग्राहक दोनों के लिए फायदा हो सकता है।

बुलढाणा हलचल

शराबी पति ने पत्नी का गला घोंट कर की हत्या

बुलढाणा। लोणार तालुका के खुरमपुर के एक शराबी पोते द्वारा दादी की हत्या की घटना कल 3 सितंबर को सामने आई थी। उसी शाम, यह पता चला कि हिरडव गांव के एक शराबी ने अपनी पत्नी को अपने ही खेत में साड़ी से गला घोंट दिया। और हत्या करने के बाद आरोपी फरार हो गया है। एक ही दिन में दो हत्याओं से पुलिस प्रणाली पर तनाव बढ़ गया है।यह पता चला है. 3 सितंबर को, हिरडव में एक शराबी पति ने अपनी पत्नी को अपने ही खेत में साड़ी से गला घोंट दिया।हत्या करने के बाद आरोपी फरार हो गया है। एक ही दिन में हुई दो हत्याओं से पुलिस तंत्र पर तनाव बढ़ गया है। हिरडव के विकास शेषराव घायाळ 35 वर्ष ने उसकी पत्नी लक्ष्मी विकास घायाळ वर्ष ३४ को पत्नी के माहेर बोरेखेडी तहेसील मेहकर से अपने घेत का परिक्षण करने के बहाने अपने गांव हिरडव ले आया।उसके साथ एक बेटा और एक बेटी ईन दोनों बच्चों को अपने घर हिरडव में छोड़कर, पति और पत्नी 3 सितंबर को दोपहर 3 बजे के बीच खेत का निरीक्षण करने

जाते समय, शराबी पति विकास ने उसकी साड़ी से पत्नी लक्ष्मी का गला घोंटकर खुन करके फरार होगया। ये घटना रात 9 बजे के दरम्यान उजागर हुई। इस बीच, हिरडव के एक पुलिस कांस्टेबल, पाटिल रूपाली घयाल ने तुरंत लोणार पोस्ट के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक रविन्द्र देशमुख द्वारा सूचित किया गया।जैसे ही रविन्द्र देशमुख को घटना की जानकारी मिलते ही, उन्होंने पुलिस उपनिरीक्षक अजहर शेख, हिरडव बिट जमादार गुलाबराव झोटे, पहेका सुरेश काले, पंकज सुरेश निकम, सुनील केसरकर, भगवत खाडे, कैलास चतरकर, गोपनीयता विभाग, विवि के सभी अधिकारियों को साथ घटनास्थल पर पहुंच कर घटना का निरक्षण करके शव को पोस्टमार्डम के लिए ग्रामीण रुग्णालय मे भेजा गया। मृतक महिला के भाई संतोष भास्कर शहाणे रा. बोरखेडी ता. मेहकर ने पुलिस स्टेशन मे शिकायत दर्ज कराई। ईस मामले मे आरोपी के खिलाफ पुलिस ने धारा 302 के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया। आगे की जाँच जिला पुलिस अधीक्षक डॉ. दिलीप पाटिल भुजबल उप-विभागीय पुलिस अधिकारी दिलदार देवी के मार्गदर्शन में वरिष्ठ निरीक्षक रवींद्र देशमुख, पो,हेका गुलाबराव झोटे, लेखनी चंद्रशेखर मुरादकर, सुनील केसरकर कर रहे है। एक ही दिन में दो हत्याओं के कारण लोनार पुलिस काफी दबाव में है और फरार आरोपि को जल्द गिरफ्तार किया जाएगाऐसी जानकारी वरिष्ठ अधिकारी रवींद्र देशमुख ने दी है।

ग्रामीण युवा आत्मविश्वास के साथ स्पर्धा परीक्षा में आगे बढ़ें : विशाल नरवाडे

बुलढाणा। माता-पिता को चाहिए के बच्चे की क्षमता को पहचानकर अपने बच्चे को शिक्षा देनी चाहिए, शिक्षा को मजबूर न करें। शिक्षा ग्रामीण, शहरी, गरीब, अमीर, जाति, धर्म, लड़का, लड़की, स्कूल माध्यम से कोई भेदभाव नहीं करती है।लक्ष्य निर्धारित करें, उसके अनुसार अध्ययन शुरू करें। कड़ी मेहनत करने के लिए तैयार रहें। अवसर का सोना बनाओ। कअर विशाल नरवाडे ने ग्रामीण युवाओं से अपनी कमियों को दूर करने और आत्मविश्वास के साथ प्रतियोगी परीक्षाओं का सामना करने की अपील की।सावळी के निवासी विशाल नारवडे ने यूपीएससी परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद, उन्हें वसंतबाई देवकिसानजी चंडक सहकार

कला और वाणिज्य महाविद्यालय, बुलदाना अर्बन चैरिटेबल सोसाइटी, डोंगरखंडाला में शाल, नारियल, गुलदस्ता और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।इस बार वह बात कर रहा था। राधेश्याम चांडक, बुलडाना शहरी के संस्थापक अध्यक्ष कुर्सी पर मौजूद थे।इस अवसर पर बोलते हुए, राधेश्याम चांडक ने कहा, डोंगरखंडालाऔर क्षेत्र के लड़कों को विशेष रूप से लड़कियों को उच्च शिक्षा सुविधा होनी चाहिए। उच्च शिक्षा की सुविधा प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए शहर जाने की जरूरत नहीं हैबुलडाना अर्बन इसके लिए सभी संभव सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने बच्चों से स्वयं के साथ-साथ गांव की प्रतिष्ठा बढ़ाने की अपील की। बुलडाना अर्बन चैरिटेबल सोसाइटीके प्रशासकीय अधिकारी नम्रता पाटिल माजी सरपंच किशोर चांडक , विभागीय अधिकारी सुधीर भालेराव , प्रा.डॉ. जाधव , डॉ . रमेश सोनोने उपस्थित होते .विशाल नरवड़े ने कॉलेज में प्रतियोगी परीक्षा मार्गदर्शन केंद्र, पुस्तकालय और कंप्यूटर प्रयोगशाला का भी उद्घाटन किया।

रामपुर हलचल

राईस मिलर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मु० वकील ए०ड० ने उ०प्र० पावर कापोर्रेशन लखनऊ को पत्र प्रेषित करते हुआ

संवाददाता/नदीम अख्तर

टाण्डा (रामपुर)। राईस मिलर्स एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष मु० वकील ए०ड० ने उ०प्र० पावर कापोर्रेशन लखनऊ को पत्र प्रेषित करते हुआ कहा कि तहसील 33 के.वी.ए. बिजलीसे मानक के अनुसार विधुत आपूर्ति नहीं की जा रही है लोकल 33 के.वी.ए.बिजली घर से मात्र 10 से 12 घन्टे बिजली की आपूर्ति की जा रही है विभागीय एस.डी.ओ.व जे.ई द्वारा लोकल बिजली कटोती कराकर बिजली आपूर्ति को बाधित किया जाता है सुबह 5 बजे से 7 बजे तक सुबह 10 बजे से 1 बजे तक शाम 4 बजे से 6 बजे तक इसके आतिरिक्त 132 के०वी०ए० बिजली घर से 3.30 घन्टे की कटोती की जा रही है बीच,बीच में लाइन मेन द्वारा शट डाउन व ब्रेक डाउन के चलते बिजली आपूर्ति बाधित कर बन्द कर दी जाती है नगर व समपूर्ण तहसील शेड्यूल के अनुसार विधुत सप्लाई नहीं की जा रही है जब कि नगर को 20-30 घन्टे विधुत सप्लाई जरी रखी जाय जिससे राईस मिल आदि से सम्बधित उधोग धन्धे चोपट न हो सके तथा उधोगो का संचालन सुचारू रूप से जारी रह सके। उधर मु० वकील ए०ड० ने चोधरी धनवीर सिंह संघ जिला अध्यक्ष अपना दल एस ने बलदेव सिंह ओलख राज्य मंत्री जल शक्ति से लखनऊ पहुचकर तहसील स्वार-टांडा में दढ़ियाल, मसवासी, तथा रूरल ऐरिया की बिजली समस्या की शिकायत तथा लालपुर पुल के निर्माण कार्य कराये जाने का आग्रह किया गया है। मंत्री जी के अक्टूबर 2020 के आश्वासन के बाद जल्द ही पुल का निर्माण कार्य आरम्भ होने की बात कही है शीघ्र ही पुल की समस्या से निजात मिल सकेगी। लालपुर पुल सी समस्या जो काफी जटिल बनी हुई है इससे क्षेत्रीय जनता को काफी हानिया पहुची है राजनीतिक द्वारा पुल के निर्माण कार्य को लेकर लगातार प्रयास जारी है आश्वासनों के बाद भी पुल की समस्या से छुटकारा नहीं मिल पा रहा है सपा, कांग्रेस, बसपा, की सरकारों के चलते लगातार पुल निर्माण कार्य की मांग भारतीय किसान संस्था के संस्थापक 34 स्वार विधान सभा प्रत्याशी अ० गफूर ई०जी० सहित सभी पार्टिया मांग करती चली आ रही है लेकिन अब अपना दल एस ने भी लालपुर पुल के निर्माण कार्य कराये जाने की मांग उठाई है कब क्षेत्रीय जनता को होने वाली परेशानियो से छुटकारा मिल सकेगा और कब सपने साकार हो सकेगे।

समस्तीपुर हलचल

बिहार युवा कांग्रेस के द्वारा रोजगार दो डिजिटल रैली की शुरूआत करने की तैयारी

संवाददाता/जकी अहमद

समस्तीपुर। बिहार युवा कांग्रेस के द्वारा रोजगार दो डिजिटल रैली सह बेरोजगारी रजिस्ट्रेशन अभियान की शुरूआत की जाएगी। बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के महासचिव ई० अबू तनवीर ने बताया कि कल इस डिजिटल रैली में प्रदेश कांग्रेस प्रभारी शक्ति सिंह गोहिल, प्रदेश सह प्रभारी श्री वीरेंद्र सिंह राठौर, श्री अजय कपूर,युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रभारी श्री कृष्णा अलावरु, राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री श्रीनिवास बीवी, प्रदेश अध्यक्ष डा मदन मोहन झा, युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव सह प्रभारी अमित यादव जी, राजेश कुमार सन्नी जी तथा बिहार प्रदेश युवा कांग्रेस के अध्यक्ष गुंजन पटेल जी सहित अन्य वरिष्ठ नेता इस रैली को संबोधित करेंगे। अबू तनवीर ने आगे बताया कि बिहार युवा कांग्रेस कल बेरोजगारी रजिस्ट्रेशन अभियान की भी शुरूआत करेगी। जिसके तहत हम प्रदेश के सभी शिक्षित एवं अशिक्षित बेरोजगार युवाओं तक पहुंचने का प्रयास करेंगे। इस रैली का प्रसारण विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्विटर, फेसबुक, यूट्यूब पर किया जाएगा। साथ ही साथ सभी जिलों में लगभग 500 की संख्या में एलईडी टीवी स्क्रीन भी लगाई जाएगी जिससे कि हम अधिक से अधिक लोगों को रोजगार दो अभियान से जोड़ सके। उन्होंने यह भी कहा कि रोजगार दो डिजिटल रैली कोई चुनावी रैली नहीं, बल्कि बिहारी युवाओं का नीतीश और मोदी सरकार के खिलाफ ऐलान ए जंग है। कल से रोजगार दो अभियान के निर्णायक चरण की शुरूआत होगी और बिहारी युवा मिलकर इस युवा विरोधी सरकार को परास्त करेगी।

ताजपुर की सड़क की स्थिति खराब, वोट का हो सकता है बहिष्कार

संवाददाता/जकी अहमद

ताजपुर/समस्तीपुर। समस्तीपुर जिले के अंतर्गत ताजपुर प्रखंड की एक दो पंचायतों को छोड़ कर अक्सर पंचायत की सड़के जो पूर्ण रूप से सड़क पर आवाजाही बंद हो गई है। बरसात की बात तो दूर है अक्सर इस सड़क पर पैदल चलना भी मुश्किल है। मिली जानकारी के मुताबिक प्रखंड के रहिमाबाद पंचायत के वार्ड संख्या-08 बहेलिया टोला मस्जिद से भेरोखड़ा, शाहपुर बधौनी, कोआरी जाने वाली सड़क का बुरा हाल बना हुआ है यहां तक कि इस सड़क से गुजरने के दौरान कई लोग गिर कर घायल भी हो चुके हैं। मुहल्ले वाले के बताने अनुसार कई वर्षों पहले इस सड़क का ईट करण किया गया था। उसके बाद आज तक इस सड़क कोई ध्यान नहीं दिया स्थानीय। मुहल्ले वाले का कहना है कि पिछले वर्ष मनरेगा की भेट चढ़ गयी सड़क, स्थानीय लोगों ने कई बार समाचार पत्रों के माध्यम पंचायत प्रतिनिधि से लेकर प्रखंड पदाधिकारी एवं जिला पदाधिकारी तक इस सड़क की मरम्मती के लिए ध्यान आकृष्ट किया गया मगर कोई फायदा नहीं होने के कारण इस बार विधानसभा चुनाव में जनप्रतिनिधि को सबक सिखाने के लिए जनता तैयार है। यहां तक कि आने वाले पंचायत चुनाव में भी सबक सिखाने के लिए भी तैयार है।

समस्तीपुर के टॉप टेन अपराधी शशि राय समेत तीन को पुलिस ने किया गिरफ्तार, कार्बाइन, देशी कट्टा बरामद

समस्तीपुर। समस्तीपुर पुलिस को मिली बड़ी कामयाबी जिले के कुख्यात अपराधी को पकड़ने में मिली सफलता,अपराध में आएगी कमी। समस्तीपुर के पुलिस अधीक्षक विकास वर्मन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पुलिस को मिली सफलता के बारे में बताया कि जिला के टॉप 10 अपराधियों में शामिल शशि राय एक गिरोह का संचालन कर रहा था। हाल के दिनों में शशि राय ने दो बड़ी हत्याओं को अंजाम दिया था, जिसमें मुसरीघरारी थाना क्षेत्र में हुए दिवाकर हत्याकांड एवं मुफस्सिल थाना क्षेत्र के मनमोहन झा हत्याकांड भी शामिल है। इन दो हत्याओं ने समस्तीपुर जिले के पुलिस प्रशसन ने एक चैलेंज के रूप में लिया। अपराधियों को पकड़ने के लिए डी एस पी प्रितुश कुमार के नेतृत्व में एक एस आई टी का गठन किया गया। पुलिस लगातार छापे मारी कर रही थी, सभी के मोबाइल को सर्विलांस पर रखे गए थे ,तभी पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि अपराधी राज्य से बाहर भागने के फिराक में है। पुलिस ने मोहनपुर से बीती रात शशि राय, गोविंद कुमार, पवन कुमार को एक कार्बाइन, देशी कट्टा एवं ज़िंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार कर लिया।इस गिरफ्तारी से अपराध में कमी आयेगी। बताया जाता है कि शशि राय ,2019 में ही जेल से रिहा हुआ था,जेल से बाहर आने के बाद शशि राय ने अपना एक गैंग बना कर घटना को अंजाम देना शुरू किया था। हत्या, लूट, एवं रंगदारी के दर्जनों मामले शशि राय पर विभिन्न थानों में दर्ज है। पवन कुमार, गोविंद कुमार पर भी पहले से मामले दर्ज हैं।कई मामले का उद्भेदन होने की संभावना है। छापेमारी टीम में मोफस्सिल थाना अध्यक्ष विक्रम आचार्य, परमानंद कर्ण, संजय कुमार अखिलेश कुमार, चंद्र किशोर ट्डडू, एवं मुसरीघरारी थाने की टीम भी शामिल थी।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

ये 7 हर्बल टी शरीर को रखती हैं स्वस्थ आप भी करें ट्राई

भारत में लगभग 90 प्रतिशत लोग सुबह नाश्ता करने से पहले टी या चाय पीना पसंद करते हैं। ज्यादातर लोग तो इसको पीए बिना दिन की शुरूआत ही नहीं कर पाते। चाय पीने की आदत पड़ जाए तो लोग इसे पीए बिना रह भी नहीं सकते। इसके बिना कुछ लोगों को सिर दर्द और थकावट महसूस होने लगती है। बहुत से लोगों का यह भी मानना है कि चाय पीने से शरीर में चुस्ती बनी रहती है। चाय भी बहुत प्रकार की होती हैं जैसे ब्लैक टी, ग्रीन टी, व्हाइट टी, लेमन टी, कैमोमाइल आदि। अलग- अलग प्रकार और अलग स्वाद होने के साथ- साथ इनको पीने से कई तरह के फायदे भी होते हैं। आइए जानते हैं अलग-अलग तरह की चाय पीने से मिलने वाले अलग-अलग फायदों को बारे में।

1. ब्लैक टी

रोजाना एक कप काली चाय पीने से शरीर स्वस्थ रहता है। इसका सेवन करने से दिल संबंधित समस्याएं नहीं होती। काली चाय से डायबिटीज होने का खतरा कम होता है। यह दिमाग की कोशिकाओं को ठीक रखता है। इसको पीने से महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर होने की संभावना कम होने के साथ ही यह मुंह के कैंसर को रोकने में भी मददगार होता है। जिन लोगों का पांचन तंत्र ठीक नहीं रहता उन्हें रोजाना 1 कप काली चाय पीनी चाहिए। इसके साथ ही इसको अपनी डाइट में शामिल करने से प्रोस्टेट, ओवेरियन और फेफड़ों के कैंसर से बचा जा सकता है।

2. ग्रीन टी

मोटापे की समस्या से निजात दिलाने के लिए ग्रीन टी फायदेमंद है। ग्रीन टी पीने से बुढ़ापा जल्दी नहीं आता। रोजाना इसका सेवन करने से कैंसर से लड़ने की शक्ति मिलती है। हड्डियों को मजबूत करने के लिए ग्रीन टी पीनी चाहिए। इस बात का ध्यान रख कि कभी भी खाली पेट इसका सेवन न करें। आप दोपहर के खाने के बाद इसको पी सकते हैं।

3. व्हाइट टी

व्हाइट टी एक प्रकार की हर्बल चाय है यह Camellia sinensis plant से बनती है। इसमें पाएं जाने वाले एंटी एजिंग गुण त्वचा को हमेशा जवां बनाए रखने में मदद करते हैं। इसके अलावा इसको पीने से चेहरे पर झुर्रियां भी नहीं आती। व्हाइट टी ब्लड सकुर्लेशन को सही करने और हार्ट को हेल्दी रखने में सहायक है। रोजाना केवल 3 से 4 कप सफेद टी ही पीनी चाहिए। इससे ज्यादा पीने से स्वास्थ्य को नुकसान भी हो सकता है।

4. लेमन टी

जिन लोगों के मुंह से बदबू आती है उनको रोजाना इसका सेवन करना चाहिए। इससे मुंह से आने वाली दुर्गंध दूर हो जाएगी। इसके साथ ही गले में खराश होने पर भी इसको पीने से फायदा मिलता है। पेट संबंधित समस्याओं से निजात पाने के लिए दिन में 1 कप लेन टी पीएं। अल्सर की समस्या होने पर लेमन टी का सेवन करने से बचें।

5. स्टार अनीस टी

स्टार अनीस टी कब्ज, एसीडिटी, उल्टी, दस्त, पेट से संबंधित समस्याओं को दूर करता है। दिन में 1 कप स्टार अनीस टी पीने से पांचन तंत्र में सुधार आने से व्यक्ति की सेहत भी बनने लगती है।

6. रोज टी

इसके नाम से ही पता चलता है कि यह गुलाब के पत्तों से बनी है। इसका सेवन करने पेट की परेशानियां दूर होती है और चहरे पर निखार भी आता है। इसमें विटामिन ए, विटामिन बी3, विटामिन सी, विटामिन डी, विटामिन ई होता है, जो सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

7. कैमोमाइल टी

कैमोमाइल टी पीने से नींद ना आने सी समस्या दूर होने के साथ ही इम्यून सिस्टम भी मजबूत होता है। सर्दी-जुकाम होने पर इसको पीने से फायदा मिलता है। पीरियड के दिनों में इसका सेवन करने से पीरियड में होने वाली पेन से भी राहत मिलती है।

जरूरी बात

अगर आप ने इसका सेवन पहले नहीं किया है और इसको पीने से कोई परेशानी हो रही हो तो एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लें। जरूरी नहीं कि जो चीज किसी और को सूट करें वो आपके के लिए भी बेहतर हो।

आयुर्वेदिक गुणों से भरपूर है अश्वगंधा, दूर करें कई बीमारियां

आयुर्वेदिक औषधि गुणों से भरपूर अश्वगंधा का इस्तेमाल कई बीमारियों को दूर करने के लिए किया जाता है। अश्वगंधा को तेल, कैप्सूल और पाउडर के रूप में भी इस्तेमाल किया जाता है। कई रोगों की आयुर्वेदिक दवाइयां बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाली अश्वगंधा का सेवन व्हाइट डिस्चार्ज, हाई ब्लड प्रैशर, कैंसर, आंखो की रोशनी बढ़ाने, टीबी और अस्थमा की समस्या को दूर करता है। आज हम आपको बताएंगे कि आपको अश्वगंधा का सेवन कितनी मात्रा और किस तरह करना चाहिए, जिससे कि आप बीमारियों को दूर कर सकें। तो चलिए जानते है आयुर्वेदिक औषधि गुणों से भरपूर अश्वगंधा के चमत्कारी फायदे और सेवन करने का तरीके के बारे में।

1. कैंसर

रोजाना इसके कैप्सूल या पाउडर का सेवन शरीर में कैंसर सेल्स को मारने का काम करता है। अगर आपको कैंसर है, तो अश्वगंधा का सेवन से आप उसको दूर कर सकते हैं।

2. दिल के रोग

अश्वगंधा कोलेस्ट्रॉल लेवल कंट्रोल करके हृदय की माशपेशियों को मजबूत बनाता है। एक शोध के अनुसार इसका सेवन दिल के रोगों और हार्ट अटैक के खतरे को कम करता है।

3. अस्थमा

रोज 1 कैप्सूल या 1 चम्मच अश्वगंधा पाउडर

का सेवन अस्थमा की समस्या को दूर करता है। इसके अलावा यह इम्यून सिस्टम को बढ़ा खांसी, कमजोरी, कफ, गठिया जैसे रोगों को भी दूर करने में मददगार होता है।

4. हाई ब्लड प्रेशर

1 गिलास दूध में इसका पाउडर मिलाकर पीने से बीपी और हाई ब्लड प्रेशर की प्रॉब्लम दूर होती है। नियमित रूप से इसका सेवन डायबिटीज को भी दूर करता है।

5. पेट इंफेक्शन

अश्वगंधा, मिश्री और सोंठ को मिलाकर गर्म पीने के साथ खाने से कब्ज, पेट दर्द, इंफेक्शन और अल्सर की समस्या दूर हो जाती है।

6. व्हाइट डिस्चार्ज

1/2 अश्वगंधा पाउडर को गर्म पानी के साथ मिलाकर नियमित सेवन करने से व्हाइट डिस्चार्ज की समस्या दूर हो जाती है।

7. आंखों की रोशनी

आंखों की रोशनी तेज करने के लिए अश्वगंधा, मुलेठी और आंवला को मिलाकर रोजाना सेवन करें। इससे अलावा रोजाना इसका 1 कैप्सूल खाने से भी आंखों की रोशनी तेज होती है।

8. इम्यून सिस्टम मजबूत

रोजाना इसके 1 काप्सूल का सेवन इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है। इसके अलावा टीबी की समस्या होने पर भी इसके कैप्सूल या पाउडर का सेवन बहुत फायदेमंद होता है।

स्टीम फेशियल के लिए पानी में मिलाएं ये हर्ब्स, मिलेगा निखार

आजकल लड़कियां डेड स्किन से छुटकारा पाने और खूबसूरती बढ़ाने के लिए स्टीम फेशियल करवाती है। कुछ महिलाएं तो पार्लर जाने की बजाए घर पर ही स्टीम फेशियल करवा पसंद करती है लेकिन कई बार इससे चेहरे पर निखार नहीं आता। आज हम आपको कुछ ऐसे हर्ब्स के बारे में बताने जा रहें है जिससे आपके चेहरे पर पार्लर से भी ज्यादा ग्लो आएगा। इन हर्ब्स को पानी में मिलाकर भाप लेने के बाद फेशियल करने से आपके चेहरे पर दोगुना ग्लो आ जाता है। तो आइए जानते है किस तरह हर्ब्स की मदद से आप चेहरे को ग्लोइंग और खूबसूरत बना सकती हैं।

1. सौंफ का तेल

इसमें मौजूद एंटी-ऑक्सीडेंट्स 30 की उम्र के बाद दिखने वाले प्रभाव को कम कर देता है। स्टीम फेशियल करते समय पानी में इस तेल को मिक्स करें। इसके बाद भाप लें और फेशियल करने के बाद फेस मास्क और फिर मॉइश्चराइजर लगाएं।

2. लैवेंडर ऑयल

एंटीफंगल, एंटीसेप्टिक और एंटीइंफ्लेमेंटरी गुणों के कारण यह चेहरे के लिए बहुत अच्छा होता है। स्टीम फेशियल में इसका इस्तेमाल स्किन को फ्री-रेडिकल डैमेज से बचाता है।

3. पार्स्ले

पार्स्ले ऑयल नैचुरल एंस्ट्रिंजेन्ट होता है, जिससे एक्ने की समस्या जड़ से खत्म हो जाती है। फ्रेश पार्स्ले को पानी में डालकर उबाल लें और इसके बाद चेहरे को भाप दें।

4. टी-ट्री ऑयल

इसे पानी में डालकर करीब 10-15 मिनट तक भाप लें। इसके बाद फेशियल करके मॉइश्चराइजर अप्लाई करें। हफ्ते में 1 बार इसका इस्तेमाल एक्ने और डार्क स्पोट्र्स की समस्या को खत्म करता है।

5. सैंडलवुड या कैमोमाइल

इसमें मौजूद हाईड्रेटिंग और एंटी-इंफ्लेमेंटरी ड्राय स्किन की समस्याओं को खत्म करती है। सैंडलवुड को कैमेमाइल एसेंशियल ऑयल में मिलाकर पानी में डालें और भाप लें। इससे आपका चेहरा हेल्दी और ग्लोइंग हो जाएगा।

दैनिक मुंबई हलचल
अब हर सच होगा उजागर

'फिल्म में किसिंग सीन करने से किया मना, तो डायरेक्टर ने कहा- आपकी जगह कोई भी ले सकता है'

समीरा रेड्डी पिछले कुछ समय से फिल्मों से दूर अपने परिवार के साथ समय बिता रही हैं। अब हाल ही में समीरा ने एक इंटरव्यू के दौरान अपने कुछ शूटिंग एक्सपीरियंस शेयर किए हैं। समीरा ने कहा, मैं एक फिल्म की शूटिंग कर रही थी तभी अचानक मुझसे कहा गया कि फिल्म में एक किसिंग सीन जोड़ा गया है। अब क्योंकि पहले फिल्म में किसिंग सीन नहीं था तो मैं इसे करने में अन्कम्फर्टेबल थी। मेकर्स मुझे इस सीन को करने के लिए मनाने लगे। समीरा ने बताया, मुझे कहा गया कि इससे पहले मुसाफिर फिल्म में आपने किसिंग सीन दिया था। मैंने कहा कि अगर एक फिल्म में किसिंग सीन दे रही हूं तो इसका मतलब ये नहीं कि हर फिल्म में ऐसा करूंगी। इसके बाद मुझे फिल्म से निकालने तक कह दिया था। कुछ दिनों पहले समीरा ने महिलाओं को रियल ब्यूटी के बारे में एक महत्वपूर्ण मैसेज दिया था। समीरा ने कहा था, हमें खुद को जैसे हम नैचुअरल हैं वैसे ही पसंद करना चाहिए। समीरा बताती हैं कि 'बचपन से लेकर एक्ट्रेस बनने तक, हमेशा उनके रंग, मोटापे को लेकर कमेंट किया गया। लेकिन अब उन्हें इससे कोई फर्क नहीं पड़ता'। समीरा इस दौरान अपने चेहरे पर मुहांसों के निशान दिखाती हैं और बताती हैं कि उनका वजन भी काफी बढ़ा हुआ है, लेकिन वह इन बातों पर ध्यान नहीं देतीं और बच्चों के साथ एंजॉय करती हैं। समीरा कहती हैं कि हमें एक मां होने के कर्तव्यों पर ध्यान देना चाहिए, ना की लोगों की बातें सुनकर मेंटल प्रेशर लें। हर मां अपने आप में खूबसूरत होती है।

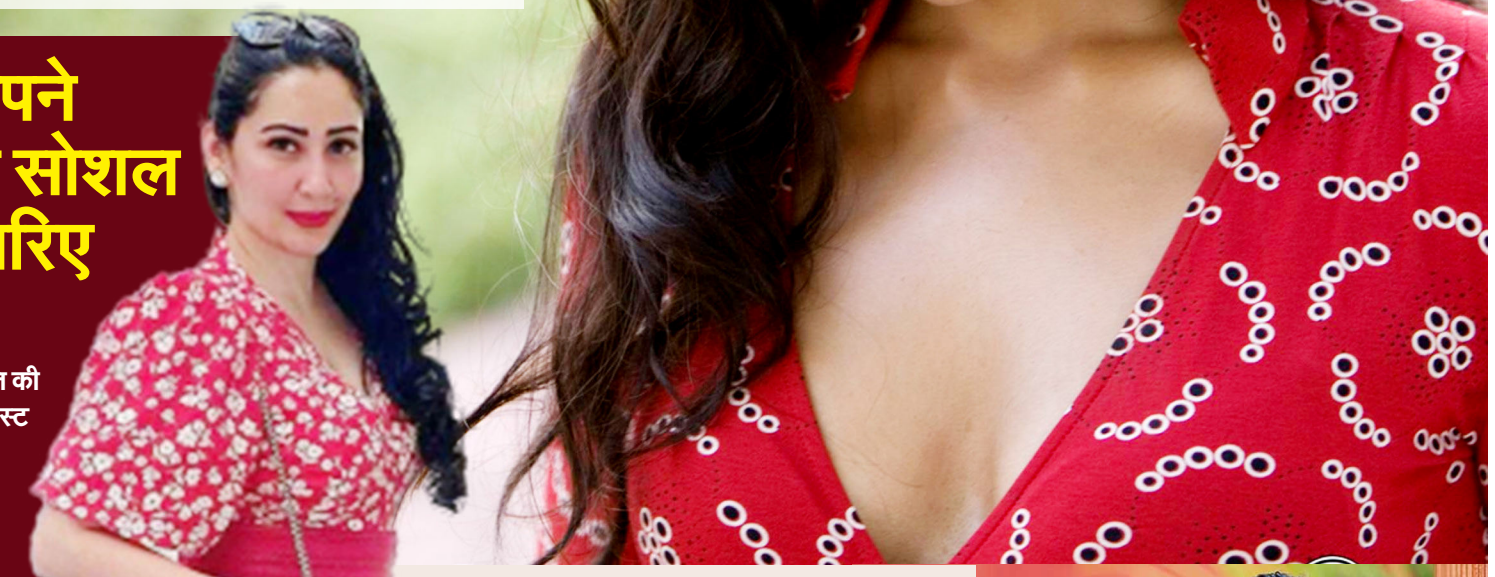

मान्यता ने अपने दिल का हाल सोशल मीडिया के जरिए किया बयां

बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त की वाईफ मान्यता दत्त अपनी एक पोस्ट के चलते चर्चा में बनी हुई हैं। इस पोस्ट में मान्यता ने ये समझाने का प्रयास किया है की कभी-कभी शब्द आपके इमोशन्स को एक्सप्लेन नहीं कर सकते। इस पोस्ट के साथ मान्यता ने एक प्यारा सा फोटो भी शेयर की है। बॉलीवुड एक्टर संजय दत्त को फेफड़ों का कैंसर हो गया है जिसकी जानकारी कुछ दिनों पहले ही सामने आई थी। इसके बाद से ही उनके फैंस उनकी सेहत को लेकर चिंतित हैं और लगातार उनके जल्द ठीक होने की कामना कर रहे हैं। संजय दत्त का परिवार इस समय मुश्किल दौर से गुजर रहा है और वो मजबूती से उनके साथ खड़े हैं। संजय दत्त की पत्नी मान्यता दत्त ने अब सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट कर बताया कि वो कैसा महसूस कर रही हैं। उन्होंने अपनी फोटो शेयर की और लिखा, कभी कभी आपको बस शांत रहना होता है क्योंकि कोई भी शब्द वो बयां नहीं कर सकते जिससे आपका दिमाग और दिल गुजर रहा है। मान्यता आगे लिखती है, कभी-कभी आपको बस शांत रहना पड़ता है, क्योंकि कोई भी शब्द ये नहीं समझा सकता है कि आपके माइंड और दिल में क्या चल रहा है।

अनूप सोनी की कंगना को दो टूक

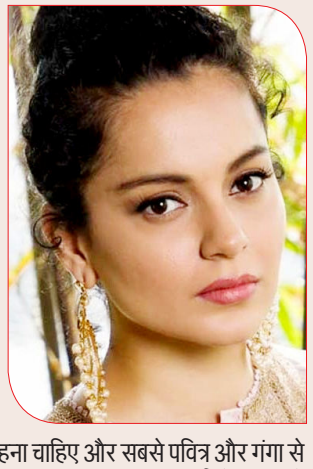

अभिनेत्री कंगना रनौत के इस दावे पर कि बॉलीवुड के 99 फीसदी लोग नशीले पदार्थों का सेवन करते हैं, अभिनेता अनूप सोनी ने अप्रत्यक्ष रूप से अभिनेत्री पर कटाक्ष किया। अनूप के अनुसार, ड्रग के मामले में पूरी इंडस्ट्री को दोषी नहीं ठहराया जा सकता। उन्होंने कहा कि जो लोग ऐसी धारणा रखते हैं, वे इंडस्ट्री से अलग, विशेष रूप से राजनीति से जुड़ते हैं। अनूप ने ट्वीट किया, जिसे भी यह महसूस होता है कि फिल्म उद्योग का 90 प्रतिशत हिस्सा ड्रग लेता है, उसे इस गंदे सड़े हुए उद्योग में नहीं रहना चाहिए और सबसे पवित्र और गंगा से भी ज्यादा पवित्र उद्योग में शामिल होना चाहिए...शायद पॉलिटिक्स इंडस्ट्री में। अनूप ने आगे कहा, फिल्म उद्योग छह या सात लोगों का नहीं है। इसमें लाखों लोग, अभिनेता, निर्देशक, निर्माता, छायाकार, संपादक, गायक, संगीत निर्देशक, गीतकार, कला निर्देशक, कॉस्ट्यूम डिजाइनर, मेकअप मैन, हेयर स्टाइलिस्ट, लाइट मेन, सेट निमार्ता और कई और लोग शामिल हैं। सुशांत सिंह राजपूत की मौत की जांच में नशीले पदार्थों का एंगल सामने आने के बाद कंगना ने फिल्म उद्योग में नशीली दवाओं का इस्तेमाल किए जाने का खुलासा किया था।